

হুতোম প্যাঁচার নকশা।



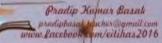
উनिय यें यें वाहानी प्रमाख उ छें छें जा कि विक्रभ करत वर भ्रञ्मन उ नकमा लिया নকশার মতো কোন নকশা এত জনপ্রিয় হতে भारतिन। नकमा मद्यि कानीभ्रमन्न जनभ्रिय कतलु এित अथम निपर्यन भाउँया ममाठात पर्यन भिन्नाय প্রকাশিত 'বাবুর উপাখ্যাল'(১৮২১ খ্রিঃ) এ। ভবानीहत्रन वल्फाभाधाास्त्रत 'कलिकाण कमलालस' এवः 'नववावु विलाम' हिल जनाज्य उत्तथ्यागा नकगा।

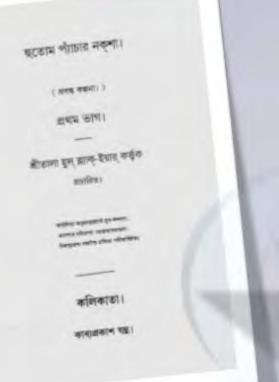
এখন প্রশ্ন হলো নকশা कि? নকশা হলো হাস্যরস পরিপূর্ণ ব্যঙ্গাত্মক রচনা যার মাধ্যমে সামাজিক অনাচার, ব্যাক্তিবিশেষের প্রতি বিদ্রুপ করা হতো এবং সামাজিক দোষ দূর করতে শিক্ষাদান করা হতো। নকশা প্রধানত আকৃতিতে হয় নাতিদীর্ঘ, ভাষা হয় লঘু এবং ইঙ্গিতপূর্ন।

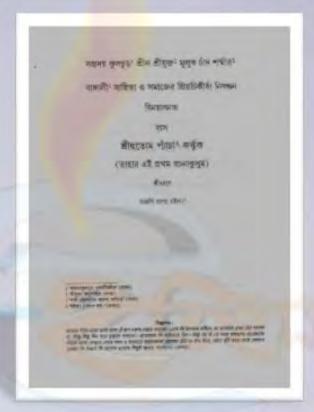




श्राणिय भागानिय नक्या।



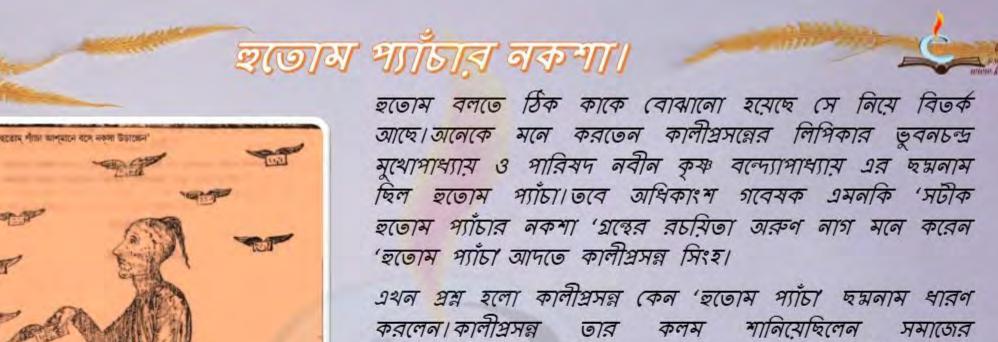


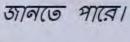




ह्रात्मि भाँठात नकमा अथम अकामिल इस्पिष्ट् जानूमानिक ১৮৬১ श्रिम्ठोन्प नागाप। लाल ष्ट्रिस् अकिटि मात्र नकमा 'ठएक'। এत मक्ष जात्र अकमा स्याग करत ১৮৬२ श्रिम्ठोन्प अकामिल इस् 'ह्रात्मि भाँठात नकमा' (अथम लाग)। ১৮৬७ श्रिम्ठोन्प नागाप द्वितीस लाग अकामिल इस्। ১৮৬৪ श्रिम्ठोन्प नागाप पुर्टि लाग এकत्र अकामिल इस।







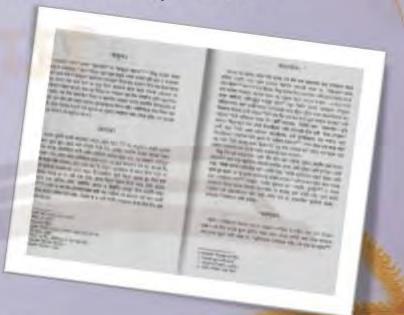


হতোম প্যাঁচাৰ নকশা।



ह्याम भाँ। हात नकमास 'इजूम' এবং 'किष्टा' मिलिमिस तस्प्रहा हालाम अलिक छि९ प्रविक किन्द्र करत प्राहिण तिराह हात किमा किन्द्र विद्या है जात के किन्द्र किमा हिला हिला हिला है किमा है किमा है किन्द्र है जात के किन्द्र है किमा है किमा





প্যারীচাঁদ মিত্র





च्राह्मात्र विक्रमात्र हिनिय यह क्रमात्र वाक्षामीत्रामा हिनिहे व्यथित वाक्षामीत्रामा हिनिहे व्यथित वाक्षामीत्रामा। हिन् वाक्षामीत्रामा। हिन् वाक्षामीत्रामा। हिन् वाक्षामीत्रामा। हिन् वाक्षामीत्र यह वाक्षामीत्र वाक्षामीत्र वाक्षामीत्र वाक्षामीत्र वाक्षामीत्र वाक्षामीत्र वाक्षामीत्र वाक्षामीत्र वाक्षामा वाक्षाम वाक्षाम वाक्षाम वाक्षाम वाक्षाम वाक्षाम वाक्षाम वाक्षाम वाक्षाम वाक्ष

হতোম তার রচনাম মূলত তিনটি শ্রেণীকে বিদ্রূপ করেছে

১। সাহেবি <u>उन्छ-ইংরেজি শিক্ষিত</u> সাহেবি চালচলনের <u>অন্ধ অনুকরণকারী।</u>

२। निউ- **रे**१ ति जिस्कि निकार निकार

৩।খাস হিন্দু-ইংরেজি না জানা গোঁড়া হিন্দুসমাজ।



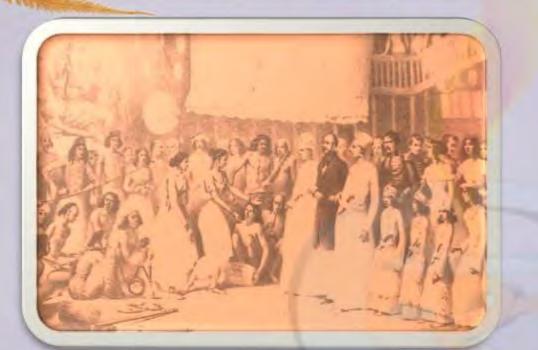
হতোম প্যাচার নকশা।





एलासित आक्रमाणत मृत तथा प्रभाजात उपत्रजनात वसमान्यता। ভবानीहत्रलत मा कलकाजात रठा९ वसमानुरमता हिलन हात <u> अकात-पालाल, पापनि, (विन्यान ३ (प्रथ्यान। इल्लायत अधिकाश्य</u> नकमात উদ्দেশ্য ছिल একটাই উদিষ্টকে হীন, नीं প্রতিপন্ন করা, অপমান করা, হাস্যোম্পদ করা। হতোম যাদের ব্যাঙ্গ করেছেন *जाता मवारे त्युनीत, (कर्डेरे निजाव प्राधात्रन वा अभिति* हिज मानूस नन। नक्याय উল्लिथि वाकिवर्शत मक्षा जानकर प्रभतिहि त्यमन কালিদাস, কৃত্তিবাস, রামমোহন রায়,ঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর প্রভৃতি। एতোম অনেক প্রতিষ্ঠিত ওপরতলার মানুষের 'গুণ বর্ণনা'র শ্বেত ছদ্মনাম দিয়েছিলেন খুব সম্ভবত আইনের খেকে বাঁচতে। এই तकम प्राज्या वास्रव छतिज भाउँया याय (यमन-वागस्रत भिज, भगानानाथ वानु, भन्नालाहन पड, षूँ हा भीन, (भँ हा मिन्नक, ताजा **जअनाएन वाशपूत उ वर्धमालत इजूत जानी। वाशयत मित्र प्रस्नव** पिशवत मिज, (भर्हों मिल्लिक मस्रवि रलिशत मिल्लिक, फूँरहा मील मस्रवि मिलाल भील। इलाम এकमात 'ज्ञानयाता' ছाछा काथाउ 'वर्जमान' (क नकमात वियय करतननि। (थाँठा प्रवात जना जिनि अठीं किष्णाक विभि भष्म कत्राजन। एलाम कान घटेना वा वाङ्किक थिंड क्रा উপশ্বाপিত ना करत जाँक यथार्थ भेडें जिन्ह वितृ करति हिलन।

হুতোম প্যাঁচার নকশা।







क्रामित नकमास এकिपिक रुष्क, तथ, पूर्णाभूजा, ज्ञानयात्रा, हैन्जापि भार्यणत उद्धाथ भाहे। जनापिक कलकान्ति प्रमाजजीयलत जन्नकात पिक त्यमन गिर्निक विलाम, क्रम हन्जा, माप्तकप्रतात कात्रवात हैन्जापिक जूल धता हित्य हित्य विलाभ काल अन्य प्रमाण काल अन्य काल



হুতোম প্যাঁচার নক্সা।





च्छात्मत नकमा अकामिछ इवात भत पृष्टि প্রতিক্রিয়া লক্ষ্য করা যায়। অপাঠ্য-কুৎসা সাহিত্যের প্রকাশ্য সমাজ থেকে নির্বাসন দ্বিতীয়ত 'জবাব' এবং 'পাল্টা জবাব' এর জোয়ার। অপাঠ্য, কুৎসা সাহিত্যের जनभ्रिय्ा रातालात (भष्रल ज्वमा कातन ছিল পাশ্চাত্য শিক্ষার বিস্তার,ব্রাহ্ম নকশা বের হবার পর তার প্রত্যুত্তরে এकाधिक 'अवाव' বের হয়েছিল यেमन-ভোলানাখ মুখোপাধ্যায়ের 'আপনার মুখ আপনি দেখ(১৮৬७ খ্রিঃ)। অন্যদিকে च्छात्मत ममालाहना करत एकहाँप ठीकृत জुनिय़त हुनिलाल भिज लिएन 'कलकाणात नुकार्द्रति ।





